

स्वावलम्बी, पराक्रमी, संस्कारवान, चरित्रवान, मेधावान जीवन निर्माण हेतु

श्याम सुन्दर धानुका छात्रावास



भगवान श्रीकृष्ण की लीला स्थली श्रीधाम वृन्दावन नगर के सुरम्य, शांत एवं आध्यात्मिक वातावरण में स्थित विद्याभारती द्वारा संचालित परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर की स्थापना के समय से ही, दूरस्थ जनपदों एवं प्रदेशों के अभिभावकों द्वारा छात्रावास की विशेष माँग रही। इसके लिए विद्याभारती के अखिल भारतीय संरक्षक मा. ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी' की प्रेरणा से छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए स्वर्गीय श्यामसुन्दर धानुका जी की पुण्य स्मृति में उनके परिवार के सहयोग से छात्रावास की स्थापना सन् 2010 में हुई। छात्रावास का भवन लगभग 26,000 वर्गफुट में आधुनिक तकनीक से निर्मित है, जिसमें 32 आवासीय कक्ष, विशाल कक्ष, भोजन कक्ष, पाकशाला, भण्डार कक्ष, चिकित्सा कक्ष, स्वागत कक्ष, अतिथि कक्ष, विशाल क्रीडांगन, जिम, Computer Lab, R.O. Water, CCTV एवं पर्याप्त संख्या में शौचालय एवं स्नानागार हैं। सर्दियों में गर्मपानी के लिए हीट पम्प एवं गर्मियों में एअर कूलिंग सिस्टम की व्यवस्था है।

परम्परा

- विश्वास युक्त सृजन की
- संस्कार युक्त जीवन की
- समरस सुसम्पन्न सुसंस्कृत राष्ट्र जीवन निर्माण की

Here
We Provide

Flawless Flying Skills to wings
Opportunity to explore
the sky of Dreams
Empowering the wings

Igniting the Minds

Our Vision

To meet the expectations and win the trust of the Nation by realizing the world of dreams for the future steersmen of the nation while equipping them with the highest life values, ideals and ethos and making them stand committed in the service of our motherland.

Our Mission

Commitment to provide quality life with the warmth of home and a responsive learning environment to equip and empower the blooming buds for achieving excellence in all the facets of life.



छात्रावास अधीक्षक
श्री लखन कुन्तल



छात्रावास सहायक
श्री अरविन्द कुमार



स्टोर इंचार्ज
श्री जगपाल

Key Features

- Focus on development of interpersonal skills communication skills and leadership qualities.
- Music, Art, Drawing, Robotic, Coding and linguistic skills.
- Clean, Green Pristine and picturesque environment.
- Inculcation of moral, cultural, religious, spiritual values and ideals.
- Additional academic support through customized classes.
- Wi-Fi equipped campus.
- Games sports coaching and platform for excellence.
- Well furnished and equipped Gym.
- Indoor/Outdoor Sports facilities.
- Nutritious diet and pleasant boarding/lodging.
- Personal care and attention for daily needs of children.
- counselling for alround development.



छात्रावास संबंधी सामान्य नियम

1. प्रवेश अर्हता -

- (क) छात्रावास में उन्हीं छात्रों का प्रवेश होगा जो विद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा की वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करेंगे।
- (ख) आयु सीमा- छात्रावास में कक्षा षष्ठ में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु NEP-2020 के अनुसार रहेगी।

2. शुल्क-

कक्षा	शुल्क (दो किस्तों में देय)			
	AC		NON AC	
षष्ठ से अष्टम्	₹ 130, 000	₹ 80, 000 (प्रवेश के समय)	₹ 110, 000	₹ 60, 000 (प्रवेश के समय)
		₹ 50, 000 (15 अक्टूबर तक)		₹ 50, 000 (15 अक्टूबर तक)
नवम् से द्वादश	₹ 140, 000	₹ 90, 000 (प्रवेश के समय)	₹ 120, 000	₹ 70, 000 (प्रवेश के समय)
		₹ 50, 000 (15 अक्टूबर तक)		₹ 50, 000 (15 अक्टूबर तक)

- (ख) विद्यालय शुल्क छात्रावास शुल्क के अतिरिक्त होगा जो विद्यालय के नियमानुसार छात्रावास में जमा करना होगा।
- (ग) छात्रावास के शुल्क का भुगतान नकद /NEFT / 'PDDSVN' App द्वारा किया जा सकेगा। NEFT “परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर, वृन्दावन” 'Union Bank of India, Vrindavan A/c No:- 510101001671110, IFS Code: UBIN0918601' के पक्ष में देय होगा। इसके अतिरिक्त विद्यालय काउन्टर पर QR Code को स्कैन कर शुल्क जमा करने की भी सुविधा है। निर्धारित शुल्क समय से ही जमा करना होगा। छात्रावास के शुल्क की द्वितीय किस्त समय से जमा न करने पर ₹500 विलम्ब शुल्क देय होगा तथा एक माह से अधिक विलम्ब होने पर छात्र को घर वापिस भेज दिया जायेगा।
- (घ) छात्रावास शुल्क में भोजन, अल्पाहार, दूध, वस्त्र प्रक्षालन, प्राथमिक चिकित्सा, अतिरिक्त शिक्षण, लघु भ्रमण आदि सभी व्यय सम्मिलित हैं। विशिष्ट एवं अन्य व्यय छात्रों को आवश्यकतानुसार स्वयं वहन करने होंगे।
- (ङ) **संचय निधि** : छात्रावास के प्रत्येक छात्र को बाल बैंक में ₹5000 (₹3000 संचय निधि + ₹2000 खेल वेश हेतु) जमा करना होगा, जिसे छात्र आवश्यकतानुसार छात्रावास प्रमुख की स्वीकृति से व्यय कर सकेगा।
- (च) **कॉशनमनी** : प्रवेश के समय छात्र को ₹5000 (नॉन एसी) एवं ₹10000 (एसी) विद्यालय में जमा करने होंगे, जिसका भुगतान छात्र को छात्रावास छोड़ने के बाद किया जायेगा।

3. फोटो पहचान पत्र : प्रवेश के समय अभिभावक को अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, वोटर पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस आदि की सत्यापित छायाप्रति जमा करनी होगी।

4. छात्रावास सत्र : छात्रावास का सत्र विद्यालय के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक रहेगा।

- नोट -**
1. मध्य सत्र में छात्रावास छोड़ने पर विद्यालय द्वारा किसी भी प्रकार का शुल्क वापस नहीं किया जायेगा।
 2. छात्रावास में छात्र द्वारा मोबाइल रखना पूर्णतः प्रतिबंधित है। मोबाइल पकड़े जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही होगी।
 3. छात्रावास में छात्र को कोई भी कीमती सामान रखना वर्जित है। खो जाने पर छात्रावास की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
 4. पाल्य को विद्यालय छोड़ने एवं ले जाने की व्यवस्था अभिभावक को स्वयं करनी होगी। किसी भी स्थिति में पाल्य को घर नहीं भेजा जायेगा। प्रवेश के समय अभिभावक पहचान पत्र बनवाना होगा जिसमें पाल्य के माता-पिता तथा दो अन्य सम्बन्धी लोगों के फोटो प्रमाण-पत्र सहित उपलब्ध कराने होंगे जिनके साथ ही पाल्य विद्यालय के बाहर आ-जा सकेगा।
 5. पाल्य के मिलने का समय माह के प्रथम व तृतीय रविवार में प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक रहेगा। अन्य रविवार में केवल छात्रावास के फोन नं. पर प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक पाल्य से अभिभावकों की वार्ता हो सकेगी।
 6. छात्र का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (MBBS डॉक्टर द्वारा प्रमाणित) ब्लड ग्रुप टेस्ट रिपोर्ट लेकर आना है।
 7. छात्र के दो नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधारकार्ड की छायाप्रति।
 8. छात्र के माता-पिता के दो संयुक्तफोटो एवं आधार कार्ड की छायाप्रति।
 9. छात्रावास में छात्र से मिलने आने वाले दो परिचितों के फोटो एवं आधारकार्ड की छायाप्रति।
 10. विद्यालय वेश : विवरणिका में दिये गये विद्यालय वेश के विवरण के अनुसार।
 11. पाठ्य सामग्री : पाठ्य पुस्तकें, कॉपियाँ, पेन, पेंसिल इत्यादि।
 12. सामान्य वेश : सफेद कुर्ता-पायजामा, नेकर, लोअर, पेन्ट, शर्ट, टी-शर्ट, शाखा वाली खाकी पेन्ट इत्यादि।
 13. आवश्यक दैनिक सामग्री : तेल, शीशा, कंधा, मंजन, दूधपेस्ट, दूधबुश, पॉलिश काली, शू-बुश, तौलिया-2, अंडर वियर-4, बनियान-4, रुमाल-4, चप्पल 1 जोड़ी, मोजे-2 जोड़ी, तकिया-1, तकिया कवर-2, स्पोर्ट शूज, ताला (तीन चाबियों में), पानी की बोतल -1, चम्मच, गिलास



संस्कारक्षम वातावरण : चरित्रवान, संस्कारवान एवं मेधावान व्यक्तित्व निर्माण

परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंड्री स्कूल (आवासीय) - वृन्दावन

निर्माणों के पावन युग में हम चरित्र निर्माण न भूलें।
भौतिकता के उत्थानों में जीवन का उत्थान न भूलें।
कीर्ति कौमुदी की गरिमा में संस्कृति का सम्मान न भूलें।
स्वार्थ साधना की आँधी में वसुधा का कल्याण न भूलें।

आदरणीय बंधुवर..!!

उपरोक्त पंक्तियां यह प्रदर्शित करती हैं कि संस्कार परक शिक्षा विद्यार्थियों को न केवल शैक्षिक ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उन्हें संस्कार, मूल्यों और नैतिकता की शिक्षा भी देती हैं। यह शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों को एक अच्छा नागरिक बनने और समाज में सक्रिय और सकारात्मक योगदान समर्पण भाव से करने के लिए तैयार करती है। आज व्यावसायिकता एवं भौतिकवाद की अंधी दौड़ में कहीं न कहीं विस्मृति हो रही है कि :

शील विनय आदर्श श्रेष्ठता, तार बिना झंकार नहीं है।
शिक्षा क्या स्वर साध सकेगी यदि नैतिक आधार नहीं है ॥

आज का विद्यार्थी भविष्य का राष्ट्र निर्माता है। अतः राष्ट्रनिर्माण की बागडोर ऐसे हाथों में ही सुरक्षित है जो विषय ज्ञान एवं कार्य कुशलता के साथ-साथ नैतिक आध्यात्मिक और संवेदना के स्तर पर भी सुदृढ़ हों तथा हमारे भारत राष्ट्र के आदर्श चिंतन सर्वे भवन्तु सुखिनः का हृदय से पोषण करने में सक्षम हो।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान अपने छात्रों में मानसिक दृढ़ता, उच्चतम जीवन मूल्यों एवं नैतिक चिंतन को स्थापित करने के लिए प्रारंभ से ही प्रतिबद्ध है। विद्या मंदिरों में दी जाने वाली संस्कार परक शिक्षा के मुख्य उद्देश्य हैं -

1. **जीवन मूल्यों की शिक्षा** : विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों की शिक्षा देना। जैसे कि - सत्य, अहिंसा और सहानुभूति।
2. **नैतिकता की शिक्षा** : विद्यार्थियों को नैतिकता की शिक्षा देना। जैसे कि - ईमानदारी, न्याय और समानता।
3. **संस्कार की शिक्षा** : विद्यार्थियों को संस्कार की शिक्षा देना। जैसे कि - आदर, सम्मान और पारस्परिक सहयोग।
4. **व्यक्तिगत विकास** : विद्यार्थियों को व्यक्तिगत विकास के लिए प्रेरित करना। जैसे कि - आत्मविश्वास, साहस, स्वावलम्बन और जिम्मेदारी।
5. **सामाजिक जिम्मेदारी** : विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रेरित करना। जैसे कि - पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय और मानवाधिकार।

उपरोक्त पांच बिंदुओं को अपने छात्रों के हृदय में स्थापित करने के लिए विद्यालय द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं।

1. **पाठ्यक्रम में संस्कार परक शिक्षा को शामिल करना** : पाठ्यक्रम में संस्कार परक शिक्षा को शामिल करना ताकि विद्यार्थियों को संस्कार, मूल्यों और नैतिकता की शिक्षा मिल सके।
2. **शिक्षकों को प्रशिक्षित करना** : शिक्षकों को प्रशिक्षित करना ताकि वे संस्कार परक शिक्षा को प्रभावी ढंग से सिखा सकें।
3. **विद्यार्थियों को प्रेरित करना** : विद्यार्थियों को प्रेरित करना ताकि वे संस्कार परक शिक्षा को अपने जीवन में लागू कर सकें।
4. **माता-पिता और समाज को शामिल करना** : माता-पिता और समाज को शामिल करना ताकि वे संस्कार परक शिक्षा को बढ़ावा देने में मदद कर सकें।

हमारी सांस्कृतिक धरोहर से विलग होती पीढ़ी को संस्कारक्षम, रोजगार परक और समग्र समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने का एकमात्र शिक्षण संस्थान है परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर...!! क्यों न हम अपने पाल्य के लिए ऐसे ही राष्ट्रचिंतन, सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक ज्ञान के समन्वय से युक्त शिक्षा संस्थान का चयन करें.. ? ?

स्वागत है अभिनंदन है...

